प्रेस के लिए सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति संख्या 5/2025)

तत्काल प्रकाशन हेतु

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

ट्राई के माननीय अध्यक्ष ने स्पेक्ट्रम पर एसएटीआरसी कार्यशाला का उद्घाटन किया।

नई दिल्ली, 21 जनवरी 2025 - भादूविप्रा के माननीय अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी ने आज एशिया पैसिफिक टैलीकम्युनिटी (एपीटी) के महासचिव श्री मसानोरी कोंडो की उपस्थिति में स्पेक्ट्रम पर साउथ एशियन टैलीकम्युनिकेशन रेगुलेटर्स काउंसिल (एसएटीआरसी) कार्यशाला का उद्घाटन किया । इस तीन दिवसीय कार्यशाला में एसएटीआरसी सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधि, कार्य समूह के सदस्य, उद्योग विशेषज्ञ, सरकारी विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई प्रतिनिधि आदि शामिल होंगे। कार्यशाला का आयोजन एशिया पैसिफिक टैलीकम्युनिटी द्वारा किया जा रहा है और इसकी मेजबानी भारतीय दूरसंचार विनियामक द्वारा होटल डबल ट्री बाय हिल्टन में गोवा, भारत में की जा रही है। इस कार्यशाला का उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे दूरसंचार परिदृश्य में प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित करना है।

2. स्पेक्ट्रम पर आयोजित इस एसएटीआरसी कार्यशाला से प्रमुख स्पेक्ट्रम प्रबंधन मुद्दों के बारे में प्रतिभागियों के बीच आपसी समझ बढ़ने की उम्मीद है, जिससे एसएटीआरसी कार्य समूह के लिए कार्रवाई योग्य दिशा-निर्देश तैयार होंगे। इसके अतिरिक्त, कार्यशाला का उद्देश्य सदस्य देशों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है, जिसके परिणामस्वरूप प्रभावी स्पेक्ट्रम उपयोग के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों का विकास होगा।

3. उद्घाटन की शुरुआत एशिया-पैसिफिक टैलीकम्युनिटी के महासचिव श्री मसानोरी कोंडो के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एपीटी इस मामले से संबंधित दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है और स्पेक्ट्रम संसाधनों के कुशल प्रबंधन में क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

4. उनके बाद स्पेक्ट्रम पर एसएटीआरसी वर्किंग समूह के अध्यक्ष श्री अब्दुल कयूम ने नियामकों के सामने आने वाली चुनौतियों और स्पेक्ट्रम उपयोग को बढ़ाने के लिए नवीन समाधानों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

5. उद्घाटन भाषण के दौरान भादूविप्रा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी ने आज के डिजिटल वातावरण में प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि दूरसंचार क्षेत्र नवाचार और सशक्तिकरण में सबसे आगे है, डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा दे रहा है और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने वाले समाधान प्रदान कर रहा है। रेडियो फ़्रीक्वेंसी स्पेक्ट्रम की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, एसएटीआरसी ने अपनी कार्य योजना के हिस्से के रूप में स्पेक्ट्रम पर एक कार्य समूह की स्थापना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि कार्यशाला उभरती प्रौद्योगिकियों, स्पेक्ट्रम आवंटन और नीति विकास पर अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर, यह आयोजन नियामक क्षमता बनाने, सीमा पार सहयोग को मजबूत करने और दूरसंचार क्षेत्र में सतत विकास का समर्थन करने में मदद करेगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन केवल आवंटन के बारे में नहीं है; बल्कि यह एक ऐसा वातावरण बनाने के बारे में है जहां नवाचार पनप सके, कनेक्टिविटी सार्वभौमिक रूप से सुलभ हो और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले। उनकी अंतर्दृष्टि ने सभी उपस्थित लोगों को अपने विचारों और अनुभवों को सक्रिय रूप से साझा करने के लिए एक सकारात्मक स्वर स्थापित किया, और भविष्य के लिए अधिक से अधिक जुड़ने के लिए दक्षिण एशिया में दूरसंचार विनियमन को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

6. उद्घाटन सत्र, भादूविप्रा के सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुआ, जिसमें उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों को उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। श्री चौधरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आगामी सत्रों के दौरान होने वाली चर्चाएँ पारस्परिक सहयोग और आपस में मिलजुल कर सीखने की भावना स्थापित करेंगी। उन्होंने ऐसे प्रतिष्ठित समूह को एक साथ लाने के प्रयासों के लिए एपीटी और भादूविप्रा आयोजन समिति को धन्यवाद दिया और सभी को आगामी सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि उनकी सामूहिक अंतर्दृष्टि काउंटी में दूरसंचार विनियमन के भविष्य को आकार देने में अधिक सहायक होगी।

7. किसी भी अन्य स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, श्री यतिंदर अग्रोही, सलाहकार (प्रशासन/अं.सं.) से advadmn@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

अतुल चौधरी
21/11/25
(अतुल कुमार चौधरी)
सचिव